रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-31082020-221453
CG-DL-E-31082020-221453

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2610] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 28, 2020/भाद्र 6, 1942
No. 2610] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 28, 2020/BHADRA 6, 1942

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2020

का.आ. 2941(अ).—प्रारुप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 4151(अ), तारीख 18 नवम्बर, 2019, द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना में अन्तर्विष्ट राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना में अन्तर्विष्ट राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 18 नवम्बर, 2019 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, प्रारुप अधिसूचना के उत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

और, केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य, राजस्थान राज्य में धौलपुर जिला से लगभग 6 किलोमीटर में स्थित है यह क्षेत्र राजस्थान वन्य पशु और पक्षी संरक्षण अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के अधीन 7 नवम्बर, 1955 को 'रिज़र्व क्षेत्र' अधिसूचित किया गया था। यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अधीन 'डीम्ड अभयारण्य' है। अभयारण्य का क्षेत्रफल 14.76 वर्ग किलोमीटर है। केशरबाग वन खण्ड की प्रारंभिक अधिसूचना 21 जून, 1956 को जारी की गई थी। वन खण्ड की अंतिम अधिसूचना 23 नवम्बर, 1981 को जारी की गई थी। वन खण्डों का क्षेत्रफल 1476.64 हेक्टेयर है जिसके अंतर्गत 7 कम्पार्टमेंट हैं;

और, अभयारण्य छोटा है, लेकिन यह ऐतिहासिक रुप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। धौलपुर-केशरबाई की पूर्व रानी के नाम पर केशरबाग पैलेस अभयारण्य में स्थित है और अब यह मिलिट्री स्कूल धौलपुर का वास है। कभी-कभी अभयारण्य में रीछ दिखाई देते है और तेंदुआ जनसंख्या के लिए भी क्षमता रखता है। अभयारण्य में लकड़बग्घा, जंगली बिल्ली और सियार भी पाए जाते है। अभयारण्य के अंतर्गत भारत झील नामक जल निकाय भी है जो कि शीतऋतु के दौरान प्रवासी पक्षियों के भोजन का आधार बनता है;

और, अभयारण्य की प्रमुख वनस्पतियां खैर (*अकेशिया कैटेचु*), रिओंज (*अकेशिया ल्यूकोफ्लोया*), कुम्था (*अकेशिया सेनेगल*), ढोंक (*एनोगेइसस पेंडुला*), हिंगोट (*बालानाइट्स एजिप्टिका*), ढाक (*ब्यूटिया मोनोसपर्मा*), करिल (*कैपरिसिस डेसिडुआ*) हिन्स (*कैपरिस सैपियारिया*), लसोडा (*कॉर्डिया मायक्सा*), बारना (*क्रेटेवा रेलिगिओसा*), थोर (*यूफोरबिया एसपीपी.*), पापड़ी (*होलोपटेलिया इंटीग्रिफोलिया*), जामुन (*सियाजियम क्यूमिनी*), बेर (*ज़ीज़फस मौरिटिआना*) आदि हैं। जबकि अभयारण्य के प्रमुख जीवजंतु भारतीय बनैला सूअर (*सुस स्क्रोफा क्रिस्टेटस*), रीछ (*मेलुरसस ओर्सिनस*), जंगली बिल्ली (*फेलिस चाउस*), ब्लू बुल/ नीलगाय (*बोसेलाफस ट्रागाकोमेलस*), भारतीय खरगोश (*लेपस नाइग्रीकोलिस रुइकाडैटस*), हेजहोग (*हेमीचिनु-सायरिटस*), धारीदार लकड़बग्घा (*हाइना हाइना*), सियार (*केनिस ऑरियस*), सामान्य नेवला (*हर्पेस्टिस एडवड्सी*), साही (*हिस्ट्रिक्स इंडिका*), पायथन (*पायथन मोलुरस*), रसलस वाइपर (*पिपेरा रुसेली*), कोबरा (*नाज़ा नाज़ा*), चूहा साँप (*पयास म्यूकस*), सामान्य करैत (*बंगारस कायर्यूलस*), भारतीय मॉनिटर (*वरानस ग्रिअस*), आदि हैं ;

और, जबकि, अभयारण्य की महत्वपूर्ण दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियाँ लकड़बग्घा (*हाइना हाइना*), रीछ (*मेलुरसस ओर्सिनस*), तेंदुआ (*पेंथेरा पार्डस*) आदि हैं;

और, केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य और के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाऐं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गो के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इसमें इसके पश्चात् पर्यावरण अधिसूचना कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) तथा उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान राज्य में धौलपुर जिला केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं.**-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1 किलोमीटर तक है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 18.3 वर्ग किलोमीटर है। विभिन्न दिशाओं में पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार (किलोमीटर) हैः

क्र.सं.	दिशा	विस्तार किलोमीटर में
1	उत्तर	1
2	उत्तर- पूर्व	1
3	पूर्व	1
4	दक्षिण-पूर्व	1
5	दक्षिण	1
6	दक्षिण-पश्चिम	1
7	पश्चिम	1
8	उत्तर-पश्चिम	1

(2) केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध-I** के रुप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सीमांकन केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के मानचित्र **उपाबंध–IIक, उपाबंध–IIख, उपाबंध–IIग,** और **उपाबंध–IIघ** के रुप में संलग्न है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-III** के सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध-IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:-

(i) पर्यावरण;

(ii) वन और वन्यजीव;

(iii) कृषि;

(iv) राजस्व;

(v) शहरी विकास;

(vi) पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;

(ix) नगरपालिका;

(x) पंचायती राज; और

(xi) लोक निर्माण विभाग।

IndiaCode

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यंकन करेगी।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी में सूचीबद्ध पैरा-4 में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह विस्तारी होगी ।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कार्यों को करने के लिए निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.–** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए उद्यानों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं किया जाएगा:

परन्तु यह कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भंडार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अंतर्गत गृहवास सम्मिलित है; और

(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह और भी कि क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई गलती निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त गलती को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त गलती को सुधारने में, इस उप-पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा;

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव- विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे ।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत.-** आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्त्रोतों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलापों प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे।

IndiaCode

(3) **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.–** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा ।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभागों के परामर्श से तैयार की जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी ।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जायेगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे अर्थात्:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परन्तु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापन केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांतो तथा पारिस्थितिकी पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांतो (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नए होटल, रिजार्ट या वाणिज्यिक स्थापन का संन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा ।

(4) **प्राकृतिक विरासत.–** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातो, झरने, दर्रो, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपातो आदि की पहचान की जाएगी और उनकी परिरक्षण और संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति- क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.–** पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार में पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

(7) **वायु प्रदूषण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण की निवारण और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, और पर्यावरण अधिनियम अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत सम्मिलित किए गए पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण संबंधी साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, इनमें जो भी अधिक कठोर हों, के अनुसार किया जाएगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबन्धन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357 (अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 के अधीन प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ई एस एम) का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि. 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधो के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई–अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट का प्रबंधन का निपटान भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित द्वारा प्रकाशित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **यानीय-यातायात.-** यातायात की यानीय आवाजाही आवास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे तथा आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाने तक, निगरानी समिति सुसंगत अधिनियमों और उनके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय आवाजाही के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **यानीय प्रदूषण.-** यानीय प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा और स्वच्छतर ईंधन के उपयोग के प्रयास किए जाएंगे ।

(16) **औद्योगिक इकाईयां.-** (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धांतो में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी ।

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची:- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम के उपबंधो और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अंतर्गत तटीय विनियमन जोन अधिसूचना 2011 और पर्यावरणीय समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियों के जिसमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सम्मिलित है और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	वर्णन (3)
	अ. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां ।	(क) वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने और व्यक्तिगत उपभोग के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनकों तोड़ने की इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होगी; (ख) खनन प्रचालन, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालित होंगी ।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्यागों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
	ख. विनियमित क्रियाकलाप	
8.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी

		संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से जो भी निकट हो सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरुप होगा।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु यह स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने उपयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी, जैसे:- परंतु यह और कि गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुज्ञा से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे। (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।
10.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
11.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी। (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होंगे।
12.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।
13.	विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे। भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जा सकेगा।
14.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
15.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों तथा उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा।
16.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारें, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।
17.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।

18.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे।
19.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन ।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अनुसार अनुज्ञात किया जाएगा ।
20.	फर्मों, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और पोल्ट्री फार्मों की स्थापना ।	सिवाय स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधि के अनुसार (सिवाय अन्यथा उपबंधित) विनियमित होंगे।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्तारण ।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण/प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
22.	सतह और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
23.	खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे और संबंद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से निगरानी की जाएगी।
24.	ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
26.	पारिस्थितिकी-पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
27.	पोलिथीन बैगों का उपयोग ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग ।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे ।
	इ. संवर्धित क्रियाकलाप	
29.	वर्षा जल संचयन ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
32.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को बढ़ावा दिया जाएगा ।
34.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
35.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
36.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
37.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
38.	निम्नीकृत भूमि/ वन / वास की बहाली ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
39.	पर्यावरणीय जागरुकता ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन की अधिसूचना की निगरानी के लिए निगरानी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी निगरानी के लिए निगरानी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी अर्थात्:-

क्र.स.	**निगरानी समिति का गठन**	**पद**
(i)	जिला कलेक्टर, धौलपुर	पदेन, अध्यक्ष;
(ii)	अनुविभागीय अधिकारी, धौलपुर	सदस्य;
(iii)	माननीय वन्यजीव वार्डन, धौलपुर	सदस्य;
(iv)	अध्यक्ष, नगर पालिका, धौलपुर	सदस्य;

(v)	प्रधान पंचायत समिति, धौलपुर	सदस्य;
(vi)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	सदस्य;
(vii)	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(viii)	राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(ix)	उप वन संरक्षण, राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य, सवाई-माधोपुर	सदस्य-सचिव।

6. निर्देश–निबंधन.- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात में निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, निगरानी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संविक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ.1533 (अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित नहीं है, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते है, सिवाय इसके पैरा 4 के अधीन सारणी में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के निगरानी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के अधार पर संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम, की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को उपाबंध V में संलग्न प्रोफार्मा में उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अध्यधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/114/2015-ईएसजेड-आरई]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध-I

राजस्थान राज्य के केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन

क. संरक्षित क्षेत्र की सीमा का विवरण

पूर्व : बिछिया ग्राम

पश्चिम : बिशनोदा ग्राम

उत्तर : हिरनोदा ग्राम

दक्षिण : गरवापुरा ग्राम

ख. पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण :

उत्तर: - पॉलिटेक्निक के सामने पुरानी खान (1) (उ 26°41'58.73" पू 77°50'01.66") रेलवे को पार करके सूरजापुरा (2) (उ 77°47'07.45") बिलागमा ताल (4) (उ 26°41'06.89" पू 77°49.03.80")

पश्चिम: - विशनोदा ग्राम के सामने (5) (उ 26°39'59.35" पू 77°47'13.52") रेलवे बरी सड़क 20 किलोमीटर पत्थर (6) (उ 26°39'02.62" पू 77°47'24.86")

दक्षिण: - आठ मील से वनविहार सड़क (7) (उ 26°38'44.90" पू 77°47'25.54") कोटरा तिराहा दंगबसाई सड़क (8) (उ 26°38'15.35" पू 77°47'54.45") कोटरा ग्राम के पास (9) (उ 26°38'01.43" पू 77°48'26.32")

पूर्व: - सिद्धार्थ की खिरकरी के पास (10) (उ 26°39'30.48" पू 77°50'59.34") नई जिला परिषद चौराहा (11) (उ 26°41'30.85" पू 077°51'27.67") हिरनोदा-छावनी पुलिया (12) (उ 26°41'32.28" पू 77°50'35.83")

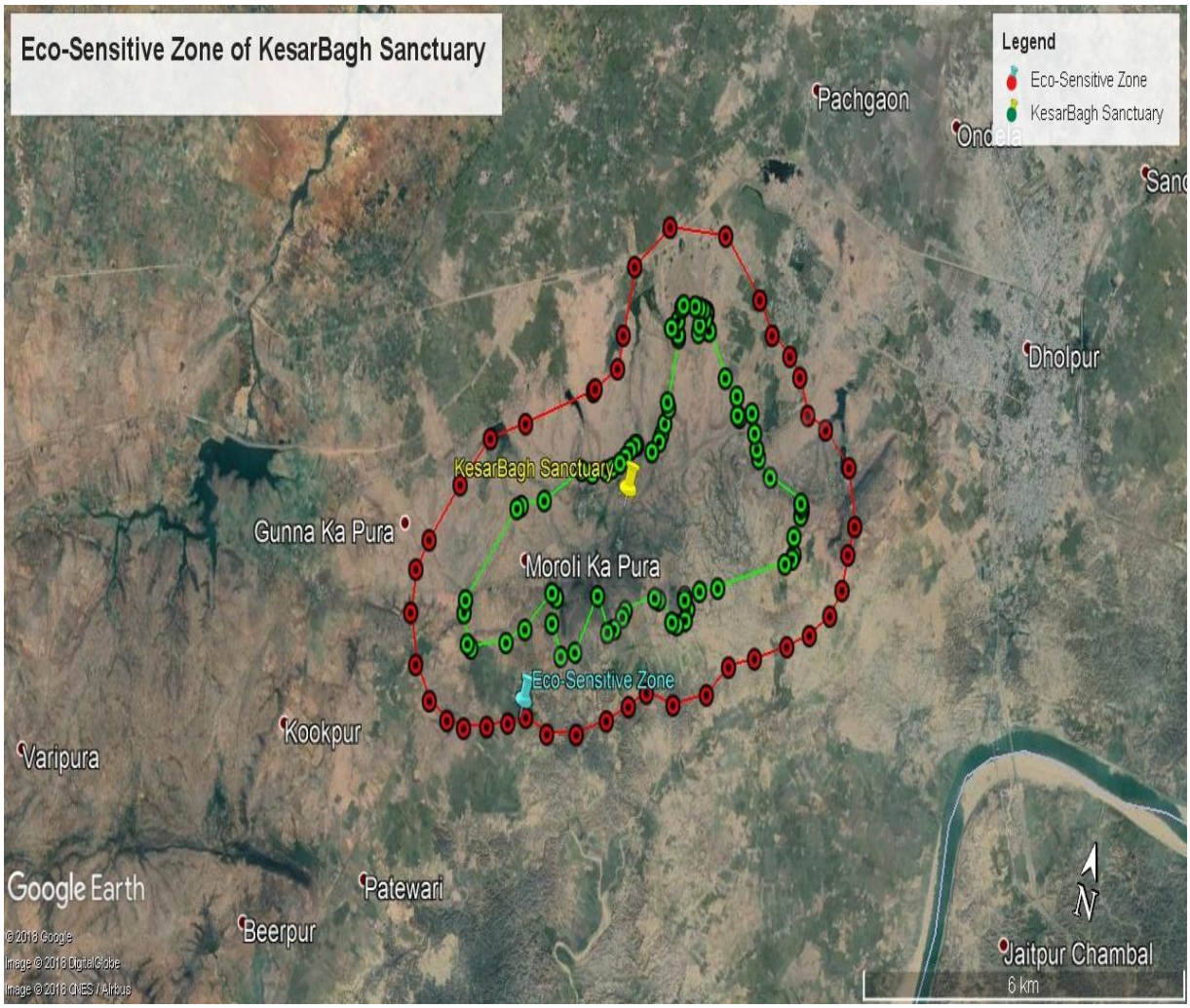
उपाबंध- IIक

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन और केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य का अवस्थान मानचित्र



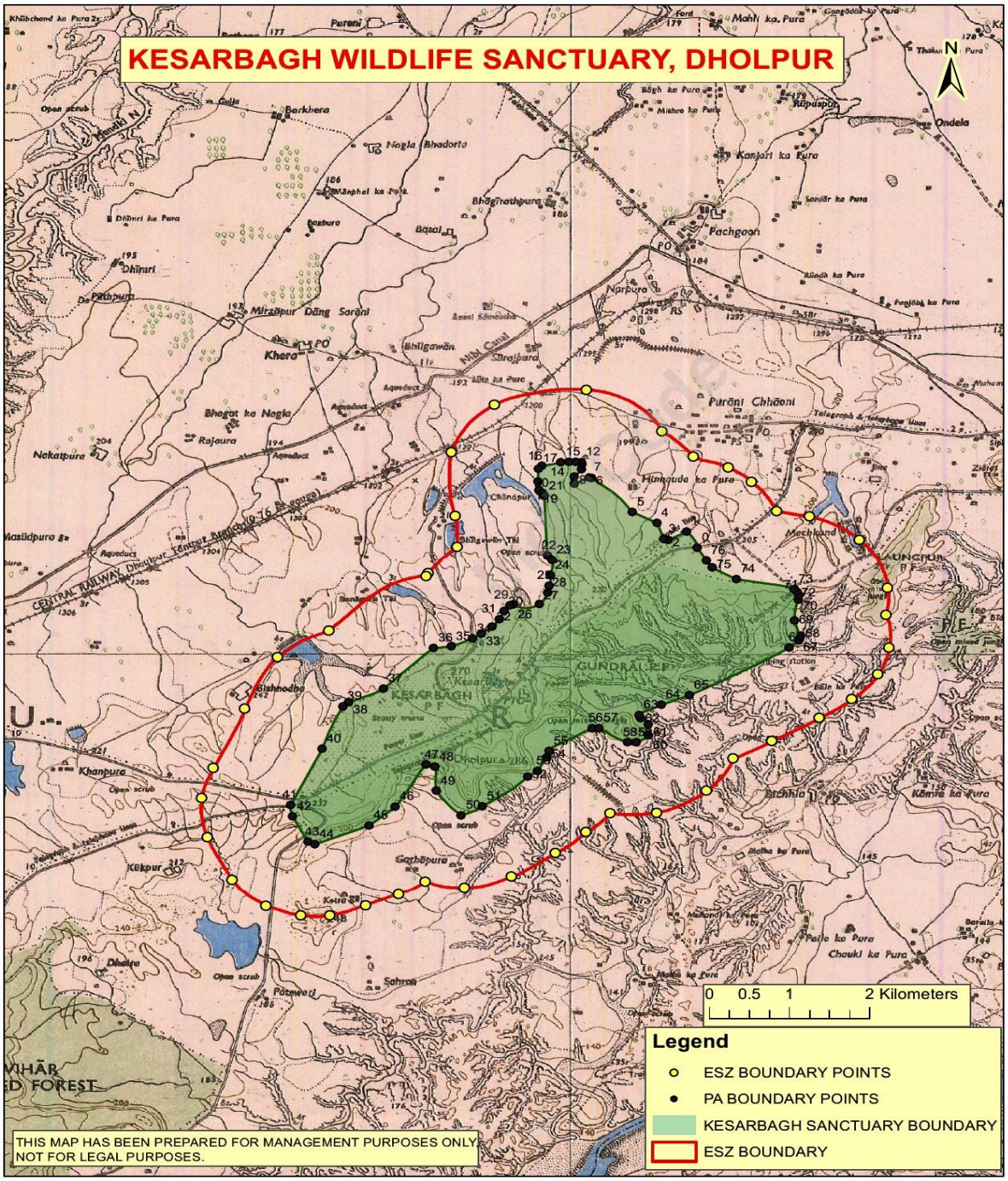
उपाबंध- IIख

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



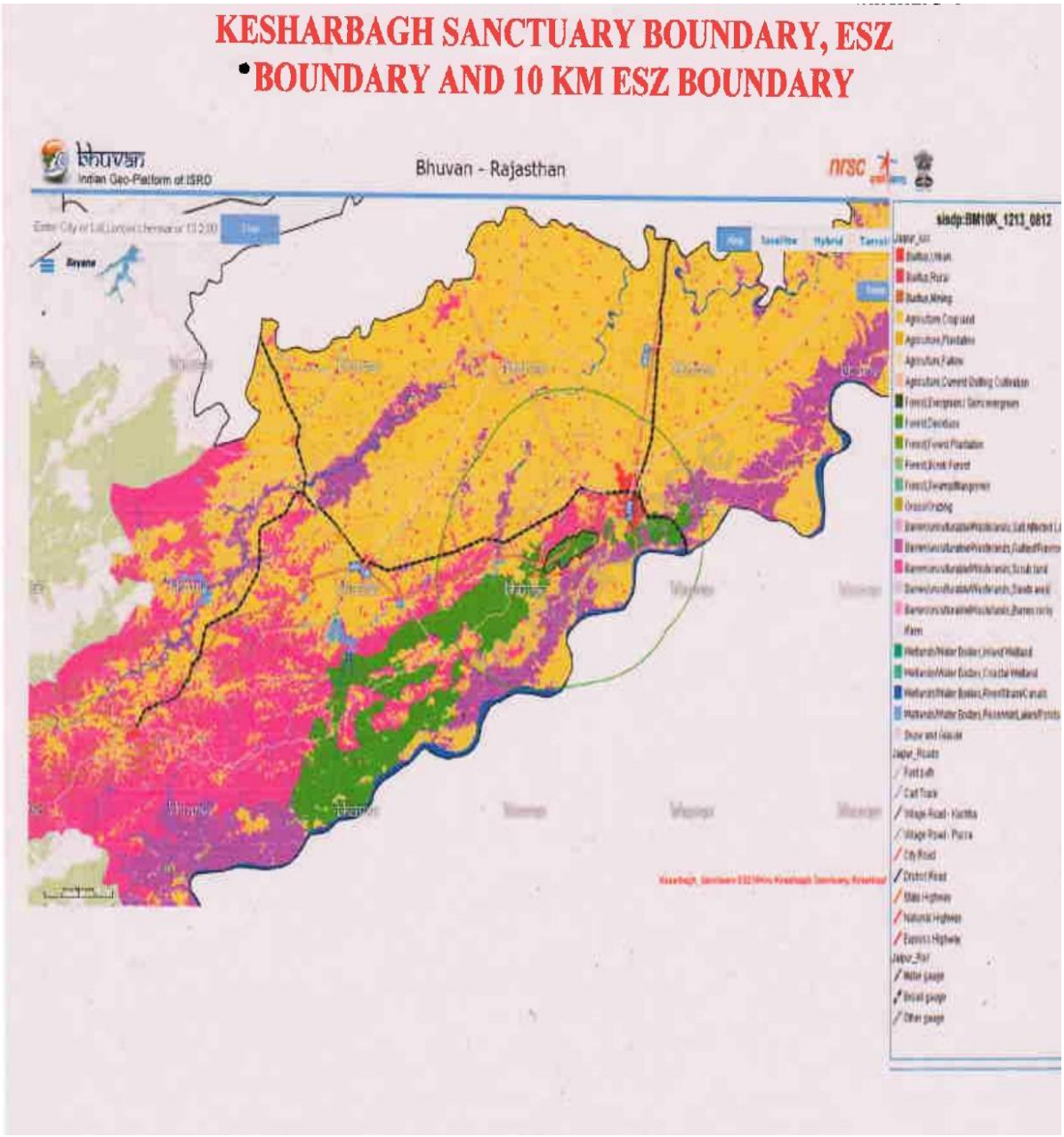
उपाबंध-IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध- IIघ

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भूमि उपयोग पैटर्न को दर्शाने वाला मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के प्रमुख अवस्थानों के भू- निर्देशांक

बिंदु सं.	डिग्री मिनट सैकेंड	
	देशांतर (पू)	अक्षांश (उ)
0	77° 50' 51.1656"	26° 40' 47.9352"
1	77° 50' 46.7448"	26° 40' 55.236"
2	77° 50' 39.3432"	26° 40' 51.4308"

3	77° 50' 37.698"	26° 40' 51.8406"
4	77° 50' 34.8216"	26° 40' 59.0376"
5	77° 50' 24.954"	26° 41' 3.9726"
6	77° 50' 8.3682"	26° 41' 19.2552"
7	77° 50' 7.5114"	26° 41' 19.5102"
8	77° 50' 1.5138"	26° 41' 16.6848"
9	77° 50' 1.3452"	26° 41' 19.7664"
10	77° 50' 4.257"	26° 41' 23.1066"
11	77° 50' 4.599"	26° 41' 25.5912"
12	77° 50' 4.257"	26° 41' 26.2782"
13	77° 50' 1.9422"	26° 41' 26.5344"
14	77° 49' 59.2026"	26° 41' 26.448"
15	77° 49' 56.0352"	26° 41' 26.2782"
16	77° 49' 48.3234"	26° 41' 24.651"
17	77° 49' 47.5032"	26° 41' 23.3664"
18	77° 49' 46.7826"	26° 41' 17.7102"
19	77° 49' 43.5246"	26° 41' 13.686"
20	77° 49' 48.666"	26° 41' 12.4008"
21	77° 49' 49.3536"	26° 41' 11.2014"
22	77° 49' 50.721"	26° 40' 44.4072"
23	77° 49' 52.3626"	26° 40' 42.4524"
24	77° 49' 51.8514"	26° 40' 35.6694"
25	77° 49' 51.2364"	26° 40' 30.939"
26	77° 49' 36.6672"	26° 40' 22.4142"
27	77° 49' 47.2686"	26° 40' 22.5984"
28	77° 49' 50.6202"	26° 40' 27.858"
29	77° 49' 35.4606"	26° 40' 22.1268"
30	77° 49' 33.0996"	26° 40' 19.5054"
31	77° 49' 31.0614"	26° 40' 15.8052"
32	77° 49' 28.2"	26° 40' 12.558"
33	77° 49' 23.9046"	26° 40' 9.3498"
34	77° 49' 20.2398"	26° 40' 7.2006"
35	77° 49' 11.7624"	26° 40' 3.7806"
36	77° 49' 4.5618"	26° 40' 2.9094"
37	77° 48' 44.3334"	26° 39' 44.6826"
38	77° 48' 30.2652"	26° 39' 38.631"
39	77° 48' 27.81"	26° 39' 36.7662"
40	77° 49' 31.3854"	26° 39' 17.676"
41	77° 48' 6.8148"	26° 38' 52.5762"
42	77° 48' 7.5924"	26° 38' 47.4036"
43	77° 48' 13.77"	26° 38' 35.9556"

IndiaCode

44	77° 48' 16.6032"	26° 38' 34.9116"
45	77° 48' 38.5158"	26° 38' 43.3212"
46	77° 48' 48.9636"	26° 38' 51.7302"
47	77° 49' 1.563"	26° 39' 10.5984"
48	77° 49' 5.1132"	26° 39' 9.6408"
49	77° 49' 5.5812"	26° 38' 58.8912"
50	77° 49' 15.7116"	26° 38' 47.7636"
51	77° 49' 24.2142"	26° 38' 51.8208"
52	77° 49' 42.6036"	26° 39' 5.2662"
53	77° 49' 46.5096"	26° 39' 7.7328"
54	77° 49' 50.1852"	26° 39' 13.7514"
55	77° 49' 51.243"	26° 39' 16.725"
56	77° 50' 8.5662"	26° 39' 26.9778"
57	77° 50' 11.4324"	26° 39' 26.8986"
58	77° 50' 22.9272"	26° 39' 20.6712"
59	77° 50' 26.3868"	26° 39' 20.574"
60	77° 50' 31.2792"	26° 39' 23.7666"
61	77° 50' 31.4442"	26° 39' 28.5942"
62	77° 50' 28.2006"	26° 39' 31.4748"
63	77° 50' 27.6252"	26° 39' 32.8536"
64	77° 50' 36.6534"	26° 39' 37.4646"
65	77° 50' 48.0402"	26° 39' 41.871"
66	77° 51' 28.2168"	26° 40' 3.1794"
67	77° 51' 32.2734"	26° 40' 6.3942"
68	77° 51' 32.9394"	26° 40' 8.4174"
69	77° 51' 30.4302"	26° 40' 15.2502"
70	77° 51' 31.953"	26° 40' 24.657"
71	77° 51' 32.1444"	26° 40' 26.4648"
72	77° 51' 31.4784"	26° 40' 28.2138"
73	77° 51' 30.3228"	26° 40' 29.319"
74	77° 51' 7.002"	26° 40' 33.8088"
75	77° 50' 57.1272"	26° 40' 39.0972"
76	77° 50' 54.762"	26° 40' 42.1788"

IndiaCode

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रमुख अवस्थानों के भू-निर्देशांक

बिंदु सं.	डिग्री मिनट सैकेंड	
	देशांतर (पू)	अक्षांश (उ)
0	77° 51' 3.7434"	26° 41' 23.8914"
1	77° 50' 49.5234"	26° 41' 28.824"
2	77° 50' 36.888"	26° 41' 40.2"

3	77° 50' 6.396"	26° 41' 58.7394"
4	77° 49' 29.208"	26° 41' 52.1874"
5	77° 49' 11.6754"	26° 41' 30.6954"
6	77° 49' 13.3314"	26° 41' 2.2194"
7	77° 49' 14.1234"	26° 40' 48.3234"
8	77° 49' 2.3874"	26° 40' 36.5874"
9	77° 49' 1.5594"	26° 40' 35.2914"
10	77° 48' 22.14"	26° 40' 10.8114"
11	77° 48' 1.4034"	26° 39' 58.896"
12	77° 47' 48.0834"	26° 39' 35.7474"
13	77° 47' 35.4834"	26° 39' 9.1074"
14	77° 47' 30.8034"	26° 38' 55.5354"
15	77° 47' 33.0714"	26° 38' 37.9314"
16	77° 47' 43.152"	26° 38' 18.7794"
17	77° 47' 56.7954"	26° 38' 7.2954"
18	77° 48' 10.7994"	26° 38' 2.9034"
19	77° 48' 22.5354"	26° 38' 2.9034"
20	77° 48' 37.1874"	26° 38' 7.5114"
21	77° 48' 50.364"	26° 38' 12.5874"
22	77° 49' 1.164"	26° 38' 18.0594"
23	77° 49' 16.968"	26° 38' 15.3234"
24	77° 49' 36.0114"	26° 38' 20.3994"
25	77° 49' 53.688"	26° 38' 30.984"
26	77° 50' 6.072"	26° 38' 40.4154"
27	77° 50' 15.8634"	26° 38' 48.8394"
28	77° 50' 34.656"	26° 38' 48.984"
29	77° 50' 54.8874"	26° 38' 58.848"
30	77° 51' 5.5074"	26° 39' 13.4634"
31	77° 51' 21.204"	26° 39' 21.2754"
32	77° 51' 40.4634"	26° 39' 31.6434"
33	77° 51' 53.5314"	26° 39' 39.996"
34	77° 52' 4.1514"	26° 39' 51.156"
35	77° 52' 8.58"	26° 40' 3.1794"
36	77° 52' 7.5"	26° 40' 17.868"
37	77° 52' 8.0754"	26° 40' 29.928"
38	77° 51' 56.664"	26° 40' 51.528"
39	77° 51' 36.6114"	26° 41' 1.9314"
40	77° 51' 23.148"	26° 41' 4.2714"
41	77° 51' 12.996"	26° 41' 17.5194"

IndiaCode

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ केशरबाग वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोनके अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र.सं.	ग्राम के नाम	ग्राम के प्रकार*	तहसील/ तालुका	जिला	अक्षांश (उ) (डीएमएस प्रारुप)	देशांतर (पू) (डीएमएस प्रारुप)
1	पुरानी छवनी	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°41'41.53"	77°51'7.76"
2	चांदपुरा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°41'25.72"	77°51'0.79"
3	विशनोदा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°39'45.75"	77°47'43.35"
4	हिन्नोदा का पुरा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°41'15.13"	77°50'21.95"
5	कोटरा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°38'11.64"	77°48'25.46"
6	गरबा का पुरा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°38'26.31"	77°48'58.69"
7	बाले का पुरा	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°38'27.11"	77°49'3.11"
8	मचकुण्ड	राजस्व ग्राम	धौलपुर	धौलपुर	26°40'47.2"	77°51'55.6"
9	गुना का पुरा	राजस्व	धौलपुर	धौलपुर	26°39'12.56"	77°47'16.61"

उपाबंध V

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान:

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का उल्लेख करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में उपाबद्ध करें) ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सार (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार) । ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं।
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार । (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th August, 2020

S.O. 2941(E).—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 4151 (E), dated the 18th November, 2019, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 18th November, 2019;

AND WHEREAS, no objections and suggestions were received from persons and stakeholders in response to the draft notification;

WHEREAS, Kesharbagh Wildlife Sanctuary is situated about six kilometres from Dholpur district in the state of Rajasthan. This area was notified as 'Reserved Area' on the 7th November, 1955 under the provisions of the Rajasthan Wild Animals and Birds Protection Act, 1951. It is a 'Deemed Sanctuary' under the Wildlife (Protection) Act, 1972. The area of the Sanctuary is 14.76 square kilometres. Preliminary notification of Kesharbagh Forest Block was issued on the 21stJune, 1956. Final notification of the Forest Block was issued on the 23th November 1981. The area of the Forest Block is 1476.64 hectares comprises of seven compartments;

AND WHEREAS, although the Sanctuary is small, the area is an important historical place. Kesarbagh Palace named after an erstwhile queen of Dholpur – Kesarbai is situated in the Sanctuary and presently it is residence the Military School Dholpur. Sloth bears can be seen in the Sanctuary occasionally and has also potential for leopard population. Hyena, jungle cat and jackal are also found in the Sanctuary. Water body named India Lake is also found inside the Sanctuary which supports the winter feedings of migratory birds during winters;

AND WHEREAS, the major flora of the Sanctuary are khair (*Acacia catechu),* reonj (*Acacia leucophloea),* kumtha (*Acacia Senegal),* dhonk (*Anogeissus pendula),* hingot (*Balanites aegyptica),* dhak (*Butea monosperma),* kareel (*Capparis decidua),* heens (*Capparis sepiaria),* lasoda (*Cordia myxa),* barna (*Crataeva religiosa),* thor (*Euphorbia spp.),* papdi (*Holoptelia integrifolia),* jamun (*Syzygium cumini),* ber (*Zizyphus mauritiana),* etc. While the major fauna of the Sanctuary are Indian wild boar (*Sus scrofa cristatus),* sloth bear (*Melursus ursinus),* jungle cat (*Felis chaus),* blue bull/nilgai (*Boselaphus tragocamelus),* Indian hare (*Lepus nigricollis ruicaudatus),* hedge hog (*Hemiechinu sauritus),* striped hyena (*Hyaena hyaena),* jackal (*Canis aureus),* common mongoose (*Herpestes edwardsii),* porcupine (*Hystrix indica),* python (*Python molurus),* Russels's viper (*Pipera russelli),* cobra (*Naja naja),* rat snakes (*Ptyas mucosus),* common krait (*Bungarus caeruleus),* Indian monitor (*Varanus griseus),* etc;

AND WHEREAS, important rare, endangered and threatened species of the Sanctuary are hyaena *(Hyaena hyaena),* sloth bear *(Melursus ursinus),* leopard *(Panthera pardus)* and the like.

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Kesharbagh Wildlife Sanctuary which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an uniform area of 1 kilometre around the boundary of Kesharbagh Wildlife Sanctuary in Dholpur district in the State of Rajasthan as the Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1)The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 1 kilometre uniform around the boundary of Kesharbagh Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is 18.3 square kilometres. Extent of Eco-sensitive Zone in different directions (kilometres) are:

S.No.	Directions	Extends in kilometre
1	North	1
2	North- East	1
3	East	1
4	South-East	1
5	South	1
6	South-West	1
7	West	1
8	North-West	1

(2) The boundary description of Kesharbagh Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I.**

(3) The maps of the Kesharbagh Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB, Annexure-IIC** and **Annexure-IID.**

(4) List of geo-coordinates of the boundary of Kesharbagh Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are appended in Table **A** and Table **B** of **Annexure III.**

(5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority of State.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;

(ii) Forest and Wildlife;

(iii) Agriculture;

(iv) Revenue;

(v) Urban Development;

(vi) Tourism;

(vii) Rural Development;

(viii) Irrigation and Flood Control;

(ix) Municipal;

(x) Panchayati Raj; and

(xi) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

IndiaCode

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the State Government.-The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

(iii) small scale industries not causing pollution;

(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

(v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or Eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, and the like shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. -Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents.- Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.-Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio-Medical Waste Management shall be as under:-

(a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
	A. Prohibited Activities	
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for

		manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
B. Regulated Activities		
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
9.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents. Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the

		minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
11.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
12.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
13.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
14.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
16.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
17.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
19.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
20.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
21.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water

IndiaCode

		or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
23.	Open Well, Bore Well etc. for agriculture or other usage	Regulated as per the applicable laws and the activity shall be strictly monitored by the appropriate authority.
24.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light and the like shall be actively promoted.
34.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
35.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
36.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
37.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
38.	Restoration of degraded land or forests or habitat.	Shall be actively promoted.
39.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

indiacode

5. **Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.-** For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

Sl. No.	**Constituent of the Monitoring Committee**	**Designation**
(i)	District Collector, Dholpur	Chairman, ex officio
(ii)	Sub-Divisional Officer, Dholpur	Member;
(iii)	Honorary Wildlife Warden, Dholpur	Member;
(iv)	Chairperson, Nagar Palika, Dholpur	Member
(v)	Pradhan Panchayat Samiti, Dholpur	Member;
(vi)	An representative of Non-governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government	Member;
(vii)	A expert in Biodiversity nominated by the State Government	Member;
(viii)	One expert in Ecology from reputed institution or university of the State	Member;

(ix)	Deputy Conservation of Forests, National Chambal Ghariyal Sanctuary, Sawai-Madhopur	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/114/2015-ESZ-RE]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECOSENSITIVE ZONE IN THE STATE RAJASTHAN

A. BOUNDARY DESCRIPTION OF THE PROTECTED AREA

East : Bichia Village

West : Bishanoda village

North : Hirnoda village

South : Garvapura village

B. BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE:

North: - Polytechnic ke samne purani khan (1) (N 26°41'58.73" E 77°50'01.66") railway crossing surajpura (2) (N 77°47'07.45") bilagma taal (4) (N 26°41'06.89" E 77°49.03.80")

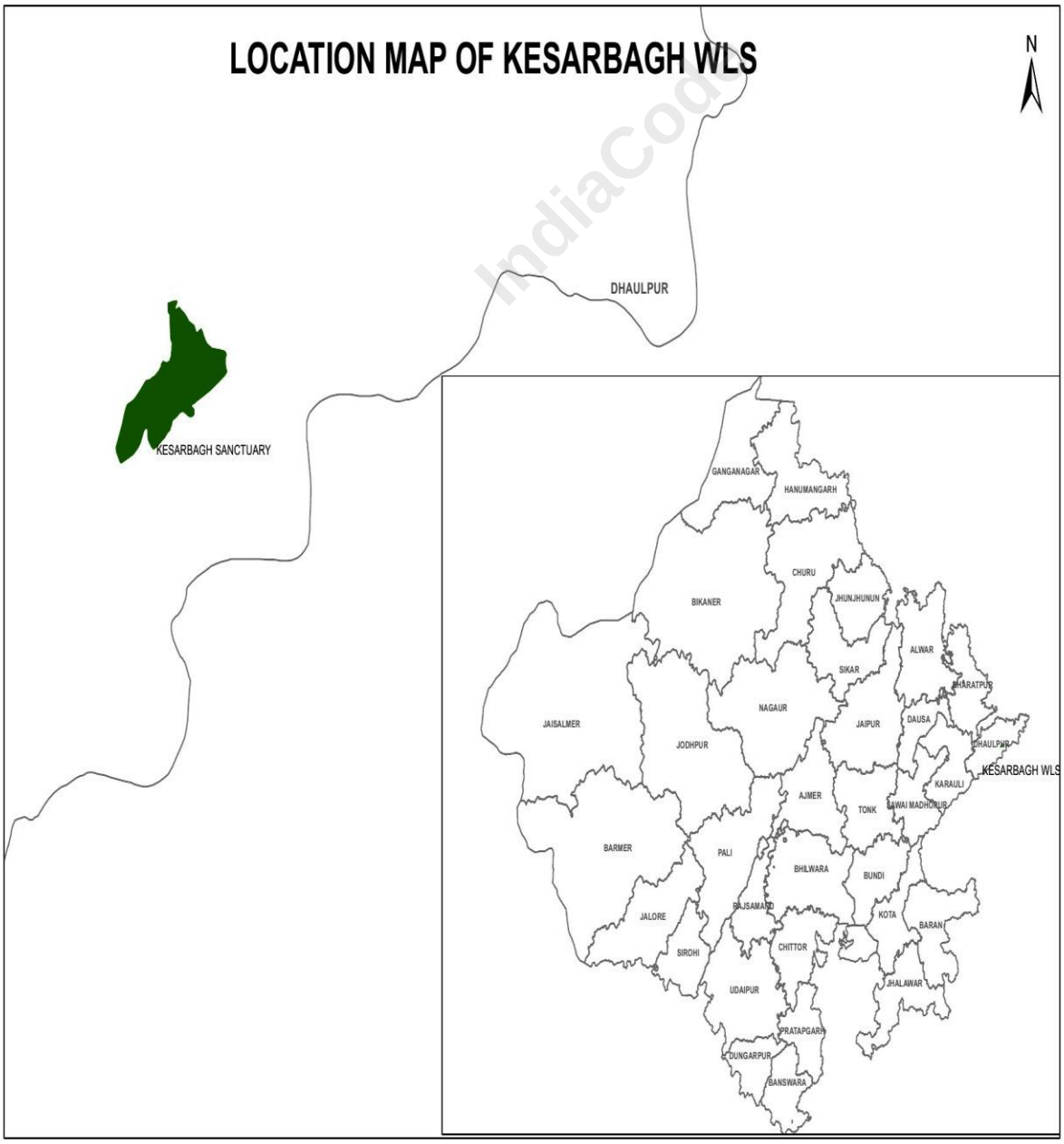
West: - Vishnoda gram ke samne (5) (N 26°39'59.35" E 77°47'13.52") railway bari road 20 KM. stone (6) (N 26°39'02.62" E 77°47'24.86")

South: - Aath meel se vanvihar road (7) (N 26°38'44.90" E 77°47'25.54") kotra tiraha dangbasai road (8) (N 26°38'15.35" E 77°47'54.45") kotra gram ke pass (9) (N 26°38'01.43" E 77°48'26.32")

East: - Siddarth ki khirkari ke pass (10) (N 26°39'30.48" E 77°50'59.34") New Zila parisad choraha (11) (N 26°41'30.85" E 077°51'27.67") hirnoda-chhawani puliya (12) (N 26°41'32.28" E 77°50'35.83")

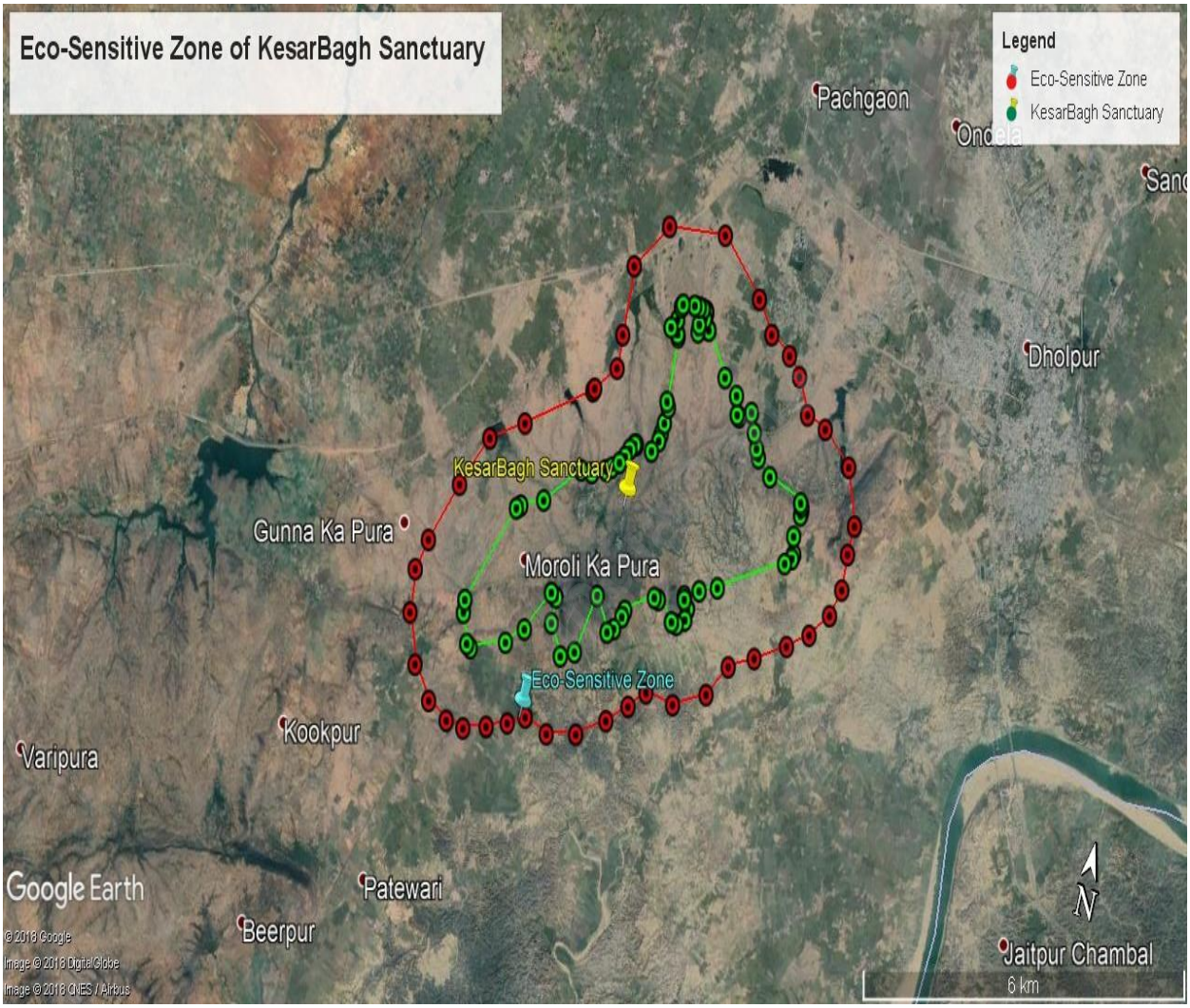
ANNEXURE- IIA

LOCATION MAP OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARYAND ITS ECO-SENSITIVE ZONE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



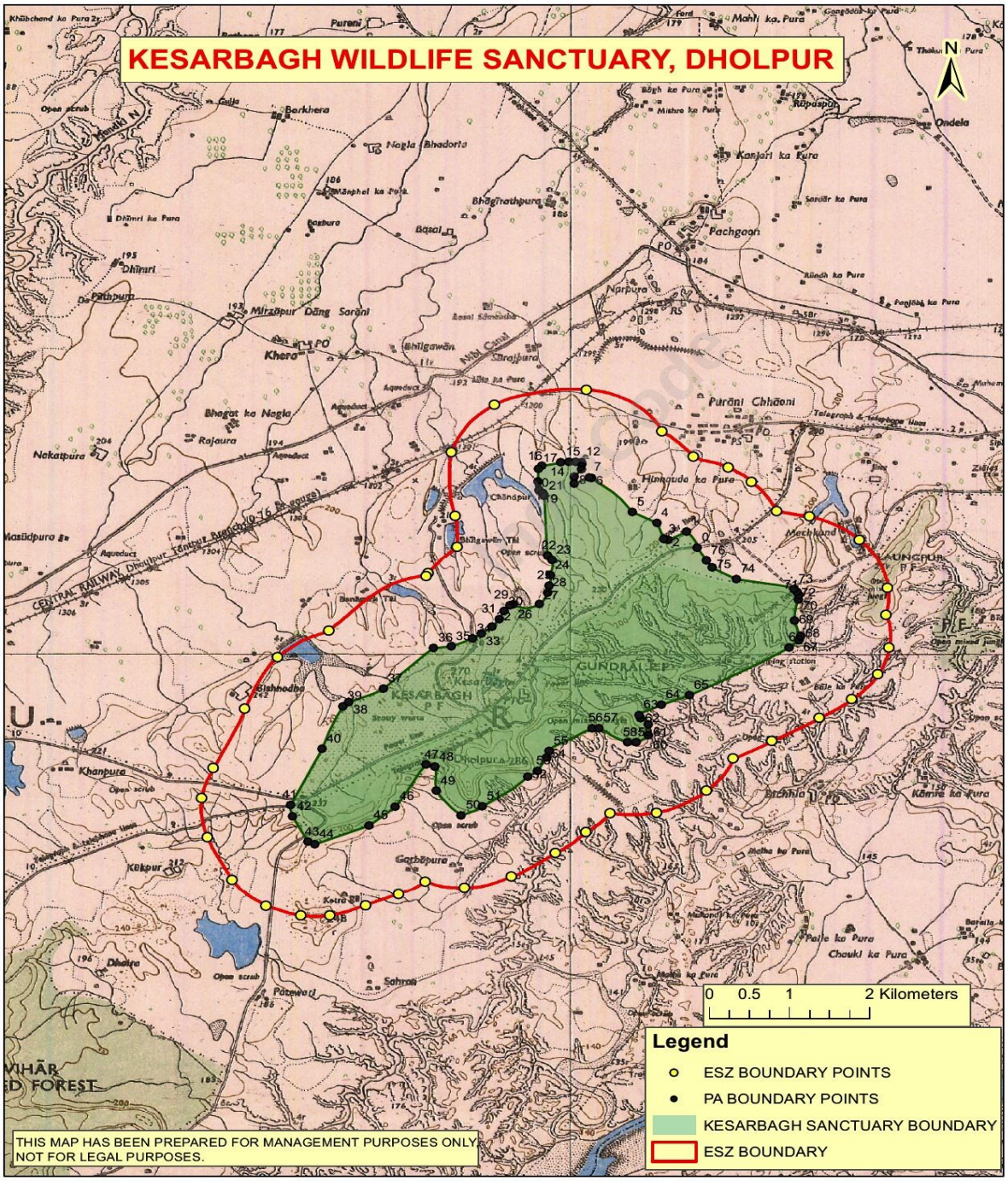
ANNEXURE- IIB

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARYALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



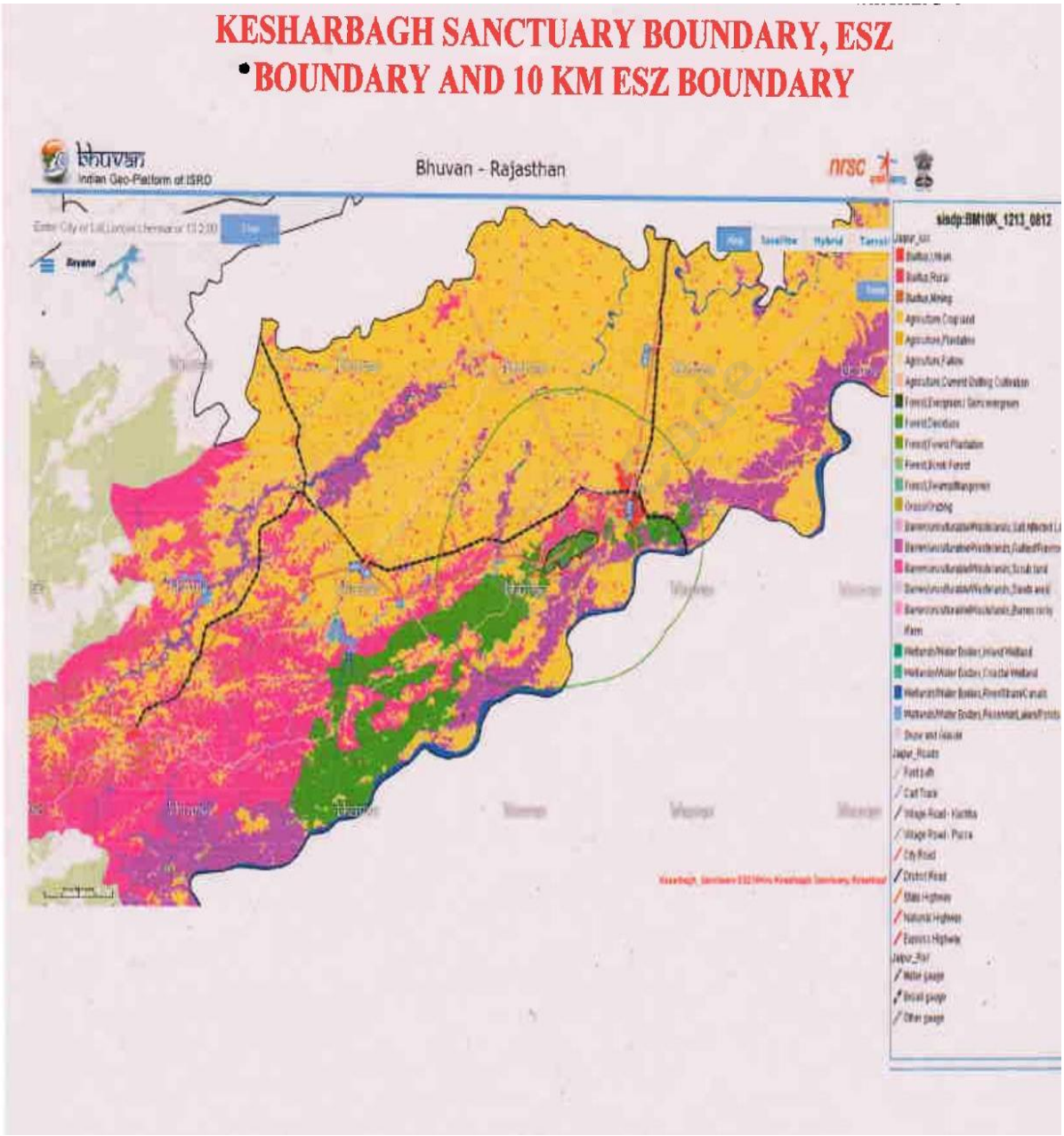
ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARYALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



ANNEXURE- IID

MAP SHOWING LANDUSE PATTERN OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARYALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



ANNEXURE-III

TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OFKESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARY

Points No.	Degrees Minutes Seconds	
	Longitude (E)	Latitude (N)
0	77° 50' 51.1656"	26° 40' 47.9352"
1	77° 50' 46.7448"	26° 40' 55.236"

2	77° 50' 39.3432"	26° 40' 51.4308"
3	77° 50' 37.698"	26° 40' 51.8406"
4	77° 50' 34.8216"	26° 40' 59.0376"
5	77° 50' 24.954"	26° 41' 3.9726"
6	77° 50' 8.3682"	26° 41' 19.2552"
7	77° 50' 7.5114"	26° 41' 19.5102"
8	77° 50' 1.5138"	26° 41' 16.6848"
9	77° 50' 1.3452"	26° 41' 19.7664"
10	77° 50' 4.257"	26° 41' 23.1066"
11	77° 50' 4.599"	26° 41' 25.5912"
12	77° 50' 4.257"	26° 41' 26.2782"
13	77° 50' 1.9422"	26° 41' 26.5344"
14	77° 49' 59.2026"	26° 41' 26.448"
15	77° 49' 56.0352"	26° 41' 26.2782"
16	77° 49' 48.3234"	26° 41' 24.651"
17	77° 49' 47.5032"	26° 41' 23.3664"
18	77° 49' 46.7826"	26° 41' 17.7102"
19	77° 49' 43.5246"	26° 41' 13.686"
20	77° 49' 48.666"	26° 41' 12.4008"
21	77° 49' 49.3536"	26° 41' 11.2014"
22	77° 49' 50.721"	26° 40' 44.4072"
23	77° 49' 52.3626"	26° 40' 42.4524"
24	77° 49' 51.8514"	26° 40' 35.6694"
25	77° 49' 51.2364"	26° 40' 30.939"
26	77° 49' 36.6672"	26° 40' 22.4142"
27	77° 49' 47.2686"	26° 40' 22.5984"
28	77° 49' 50.6202"	26° 40' 27.858"
29	77° 49' 35.4606"	26° 40' 22.1268"
30	77° 49' 33.0996"	26° 40' 19.5054"
31	77° 49' 31.0614"	26° 40' 15.8052"
32	77° 49' 28.2"	26° 40' 12.558"
33	77° 49' 23.9046"	26° 40' 9.3498"
34	77° 49' 20.2398"	26° 40' 7.2006"
35	77° 49' 11.7624"	26° 40' 3.7806"
36	77° 49' 4.5618"	26° 40' 2.9094"
37	77° 48' 44.3334"	26° 39' 44.6826"
38	77° 48' 30.2652"	26° 39' 38.631"
39	77° 48' 27.81"	26° 39' 36.7662"
40	77° 49' 31.3854"	26° 39' 17.676"
41	77° 48' 6.8148"	26° 38' 52.5762"
42	77° 48' 7.5924"	26° 38' 47.4036"
43	77° 48' 13.77"	26° 38' 35.9556"
44	77° 48' 16.6032"	26° 38' 34.9116"
45	77° 48' 38.5158"	26° 38' 43.3212"
46	77° 48' 48.9636"	26° 38' 51.7302"
47	77° 49' 1.563"	26° 39' 10.5984"
48	77° 49' 5.1132"	26° 39' 9.6408"

IndiaCode

49	77° 49' 5.5812"	26° 38' 58.8912"
50	77° 49' 15.7116"	26° 38' 47.7636"
51	77° 49' 24.2142"	26° 38' 51.8208"
52	77° 49' 42.6036"	26° 39' 5.2662"
53	77° 49' 46.5096"	26° 39' 7.7328"
54	77° 49' 50.1852"	26° 39' 13.7514"
55	77° 49' 51.243"	26° 39' 16.725"
56	77° 50' 8.5662"	26° 39' 26.9778"
57	77° 50' 11.4324"	26° 39' 26.8986"
58	77° 50' 22.9272"	26° 39' 20.6712"
59	77° 50' 26.3868"	26° 39' 20.574"
60	77° 50' 31.2792"	26° 39' 23.7666"
61	77° 50' 31.4442"	26° 39' 28.5942"
62	77° 50' 28.2006"	26° 39' 31.4748"
63	77° 50' 27.6252"	26° 39' 32.8536"
64	77° 50' 36.6534"	26° 39' 37.4646"
65	77° 50' 48.0402"	26° 39' 41.871"
66	77° 51' 28.2168"	26° 40' 3.1794"
67	77° 51' 32.2734"	26° 40' 6.3942"
68	77° 51' 32.9394"	26° 40' 8.4174"
69	77° 51' 30.4302"	26° 40' 15.2502"
70	77° 51' 31.953"	26° 40' 24.657"
71	77° 51' 32.1444"	26° 40' 26.4648"
72	77° 51' 31.4784"	26° 40' 28.2138"
73	77° 51' 30.3228"	26° 40' 29.319"
74	77° 51' 7.002"	26° 40' 33.8088"
75	77° 50' 57.1272"	26° 40' 39.0972"
76	77° 50' 54.762"	26° 40' 42.1788"

IndiaCode

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

Points no	**Degrees Minutes Seconds**	
	Longitude (E)	**Latitude (N)**
0	77° 51' 3.7434"	26° 41' 23.8914"
1	77° 50' 49.5234"	26° 41' 28.824"
2	77° 50' 36.888"	26° 41' 40.2"
3	77° 50' 6.396"	26° 41' 58.7394"
4	77° 49' 29.208"	26° 41' 52.1874"
5	77° 49' 11.6754"	26° 41' 30.6954"
6	77° 49' 13.3314"	26° 41' 2.2194"
7	77° 49' 14.1234"	26° 40' 48.3234"
8	77° 49' 2.3874"	26° 40' 36.5874"
9	77° 49' 1.5594"	26° 40' 35.2914"
10	77° 48' 22.14"	26° 40' 10.8114"
11	77° 48' 1.4034"	26° 39' 58.896"
12	77° 47' 48.0834"	26° 39' 35.7474"
13	77° 47' 35.4834"	26° 39' 9.1074"
14	77° 47' 30.8034"	26° 38' 55.5354"

15	77° 47' 33.0714"	26° 38' 37.9314"
16	77° 47' 43.152"	26° 38' 18.7794"
17	77° 47' 56.7954"	26° 38' 7.2954"
18	77° 48' 10.7994"	26° 38' 2.9034"
19	77° 48' 22.5354"	26° 38' 2.9034"
20	77° 48' 37.1874"	26° 38' 7.5114"
21	77° 48' 50.364"	26° 38' 12.5874"
22	77° 49' 1.164"	26° 38' 18.0594"
23	77° 49' 16.968"	26° 38' 15.3234"
24	77° 49' 36.0114"	26° 38' 20.3994"
25	77° 49' 53.688"	26° 38' 30.984"
26	77° 50' 6.072"	26° 38' 40.4154"
27	77° 50' 15.8634"	26° 38' 48.8394"
28	77° 50' 34.656"	26° 38' 48.984"
29	77° 50' 54.8874"	26° 38' 58.848"
30	77° 51' 5.5074"	26° 39' 13.4634"
31	77° 51' 21.204"	26° 39' 21.2754"
32	77° 51' 40.4634"	26° 39' 31.6434"
33	77° 51' 53.5314"	26° 39' 39.996"
34	77° 52' 4.1514"	26° 39' 51.156"
35	77° 52' 8.58"	26° 40' 3.1794"
36	77° 52' 7.5"	26° 40' 17.868"
37	77° 52' 8.0754"	26° 40' 29.928"
38	77° 51' 56.664"	26° 40' 51.528"
39	77° 51' 36.6114"	26° 41' 1.9314"
40	77° 51' 23.148"	26° 41' 4.2714"
41	77° 51' 12.996"	26° 41' 17.5194"

IndiaCode

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF KESHARBAGH WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

S. No.	Village Name	Type of Village*	Tehsil/ Taluka	District	Latitude (N) (DMS Format)	Longitude (E) (DMS Format)
1	Purani Chaawni	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º41’41.53”	77º51’7.76”
2	Chandpura	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º41’25.72”	77º51’0.79”
3	Bishnoda	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º39’45.75”	77º47’43.35”
4	Hinnoda ka Pura	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º41’15.13”	77º50’21.95”
5	Kotra	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º38’11.64”	77º48’25.46”
6	Garba Ka Pura	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º38’26.31”	77º48’58.69”
7	Bale Ka Pura	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º38’27.11”	77º49’3.11”
8	Machkund	Revenue Village	Dholpur	Dholpur	26º40’47.2”	77º51’55.6”
9	Guna ka pura	Revenue	Dholpur	Dholpur	26º39’12.56”	77º47’16.61”

ANNEXURE –V

Performa of Action Taken Report:-

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

IndiaCode

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. SURENDER MAHADASAM Digitally signed by SURENDER MAHADASAM Date: 2020.08.31 16:31:20 +05'30'